K–946

Total Page No. : 2] **[Roll No. .....**

MAJY-205

M.A. (Jyotish) IInd Year Examination Dec., 2023

ज्योतिषशास्त्र एवं यात्रा विमर्श

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

(खण्ड–क)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मानव जीवन पर ग्रहों के प्रभाव का वर्णन कीजिये।

2. यात्रा में दिशाशूल के विचार का वर्णन कीजिये तथा प्रशस्त यात्रा मुहूर्त्त का भी लेखन कीजिए।

3. यात्रा काल में गुरु व शुक्र का विचार क्यों आवश्यक है ? तिथि नक्षत्र शुद्धि का भी लेखन कीजिए।

4. ज्योतिष और योग शास्त्र के अन्तः सम्बन्धों पर प्रकाश डालिये।

5. यात्रा में शुभाशुभ शकुन के विचार का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. यात्रा में योगिनी वास का फल लिखिये।

2. वृष्टि के प्रकारों का वर्णन कीजिये।

3. यात्रा में अभिजित मुहूर्त के फल को लिखिये।

4. घात विचार से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।

5. यात्रा में अशुभ नक्षत्र कौन–कौन से हैं ? स्पष्ट कीजिए।

6. यात्रा काल में शुक्र के लग्नगत होने के फल को लिखिये।

7. यात्रा में निषिद्ध काल का वर्णन कीजिए।

8. जीवपक्षादि नक्षत्र फल को लिखिए।

****